20/3/24

उपरोक्त श्री 'आ'
को उ. पे. कर्टे
उपस्थित.

(signature)

21/3/24

अपीलार्थीगण की ओर से वकील श्री हरिसिंह अधि. उपस्थित होकर प्रा० पत्र O9 R9 CPC का प्रस्तुत किया। पत्रावली का अवलोकन किया। मूल अपील पूर्ववर्ती न्यायालय द्वारा अपने आदेश दिनांक 05/10/17 के द्वारा प्रक्षालित नीतलब व्यय जाने के आधार पर खारिज की गई थी। इसके उपरान्त प्रार्थीगण/अपीलार्थीगण ~~[illegible]~~ के द्वारा प्रा पत्र $O_{9}R_{9}$ CPC का प्रस्तुत कर उक्त आदेश दिनांक 5/10/17 को अपास्त करने हेतु निवेदन किया गया। उक्त प्रा० पत्र दिनांक 01/2018 को स्वीकार किया गया। अतः प्रा पत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप मूल अपील में कार्यवाही की जानी अपेक्षित थी। परन्तु प्रकरण $O_{9}R_{9}$ [illegible] विविध प्रा० पत्र [illegible] 29/24 में दर्ज होकर विचाराधीन है, जिसे दुरुस्त किया जाना आवश्यक है एवं मूल अपील को रिकॉर्ड पर पुनः लिया जाकर आगामी

लगातार

Signature Not Verified
Digitally signed by Avdhesh Meena
Date: 2024.05.13 17:51:34 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी किये गये
	सुनवाई की जानी है। अतः आदेश दिए जाते हैं कि हस्तगत प्रकरण को प्रार्थना पत्र दायरा दर्ज करते हुए अपील के रूप में दर्ज रजिस्टर की जावे। प्रा० प० अं० धा० 151 CPC पर अपीलार्थी अधिवक्ता को सुना गया। अधिवक्ता अपीलार्थी द्वारा निवेदन किया गया कि अपील प्रकरण में प्रत्यर्थी की ओर से पहले से अधिवक्ता नियुक्त है ऐसी स्थिति में प्रत्यर्थी के अधिवक्तागण को औपचारिक नोटिस बाबत न्यायालय में उपस्थित आने के जारी किए जाने हेतु निवेदन किया। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है नोटिस जारी हो। पत्रावली दिनांक 04/05/2024 को पेश हो।	

Signature Not Verified
Digitally signed by Avdhesh Meena
Date: 2024.05.13 17:51:34 IST
Reason: SelfAttested